BiharBoardBooks.Com

Bihar Board Textbooks, Notes & Question Papers

Bihar Board 12th 217- BUSINESS STUDIES Solved Paper

खण्ड अ / SECTION-A (वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Objective Type Questions)

Q1. निम्न में प्रबन्ध का सार कौन है ?

- **(A) समन्वय**
- (B) संगठन
- (C) नियुक्तिकरण
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q2. "प्रबन्ध एक पेशा है" यह कथन किसका है ?

- (A) जॉर्ज आर० टेरी
- **(B) अमेरिकन प्रबन्ध एसोसिएशन**
- (C) हेनरी फेयोल
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q3. प्रबन्ध का सामाजिक उत्तरदायित्व है :-

- (A) सरकार के प्रति
- (B) केवल कर्मचारियों के प्रति

BiharBoardBooks.Com

- (C) केवल उपभोक्ता के प्रति
- **(D) सभी के प्रति**

Q4. प्रबन्ध कला है :

- (A) स्वंय काम करने की
- (B) दूसरों से काम लेने की
- **(C) स्वंय काम करने एवं दूसरों से काम लेने दोनों की**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q5. प्रबन्ध की प्रकृति क्या है ?

- (A) जन्मजात प्रतिभा के रुप में
- (B) अर्जित प्रतिभा के रुप में
- **(C) जन्मजात प्रतिभा एवं अर्जित प्रतिभा दोनों के रुप में**
- (D) इनमें से काई नहीं

Q6. नीति निर्धारण का कार्य किसका है ?

- **(A) उच्च स्तरीय प्रबंधकों का**
- (B) मध्यम स्तरीय प्रबंधकों का
- (C) संचालक प्रबंध का
- (D) उपर्युक्त सभी का

Q7. प्रबन्ध विज्ञान किस रुप में है ?

- (A) शुद्ध विज्ञान
- **(B) सरल विज्ञान**
- (C) अर्द्ध विज्ञान
- (D) इनमें से कोई नहीं

BiharBoardBooks.Com

(नोट: प्रबन्ध एक सामाजिक या व्यावहारिक विज्ञान है, जिसे अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में 'सरल विज्ञान' या 'अर्द्ध विज्ञान' के विकल्प के रूप में भी सही माना जाता है।)

Q8. निम्न में कौन प्रबन्ध का उद्देश्य नहीं है ?

- (A) लाभ कमाना
- (B) संगठन की वृद्धि
- (C) रोजगार प्रदान करना
- **(D) नीति-निर्माण**

Q9. निम्नलिखित में से कौन सा टेलर द्वारा दिया गया प्रबन्ध का सिद्धान्त नहीं है ?

- (A) विज्ञान, न कि अँगूठा नियम
- **(B) कार्यात्मक फोरमैनशिप**
- (C) सहयोग, न कि व्यक्तिवाद
- (D) मैत्री, न कि मतभेद

Q10. हेनरी फेयोल कौन थे ?

- **(A) खनन अभियन्ता**
- (B) मुनीम
- (C) उत्पादन अभियन्ता
- (D) वैज्ञानिक

Q11. वैज्ञानिक प्रबंध में टेलर ने प्रयोग किये थे :

- (A) गति अध्ययन
- (B) थकान अध्ययन
- **(C) थकान अध्ययन, समय अध्ययन एवं गति अध्ययन**
- (D) इनमें से कोई नहीं

BiharBoardBooks.com

Q12. परम्परागत प्रबंध में श्रमिकों को मजदूरी दी जाती है :-

- **(A) कम**
- (B) अधिक
- (C) अधिकतम
- (D) इनमें से काई नहीं

Q13. वैज्ञानिक प्रबन्ध के पिता कौन हैं ?

- (A) गिलब्रेथ
- **(B) टेलर**
- (C) रॉबट्सन
- (D) किम्बाल

Q14. वैज्ञानिक प्रबन्ध में उत्पादन होता है :-

- **(A) अधिकतम**
- (B) न्यूनतम
- (C) सामान्य
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q15. वैज्ञानिक प्रबंध से श्रमिकों को होता है :-

- **(A) लाभ**
- (B) हानि
- (C) कोई प्रभाव नहीं
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q16. वैज्ञानिक प्रबंध से श्रमिकों के कार्य के घण्टों में होती है :

- (A) वृद्धि

BiharBoardBooks.Com

- **(B) कमी**
- (C) औसत
- (D) कोई प्रभाव नहीं

Q17. भारत में उदारीकरण की नीति रही है :

- **(A) सफल**
- (B) असफल
- (C) पूर्णतः असफल
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q18. व्यवसाय के आर्थिक वातावरण को प्रभावित करते हैं :

- (A) आर्थिक नीति
- (B) आर्थिक प्रणाली
- (C) आर्थिक विकास
- **(D) इनमें से सभी**

Q19. निम्नलिखित में से कौन सी व्यवसायिक वातावरण की विशेषता नहीं है ?

- (A) अनिश्चितता
- **(B) कर्मचारी**
- (C) सापेक्षता
- (D) जटिलता

Q20. नवीन आर्थिक नीति कब घोषित हुई थी ?

- (A) 1990
- **(B) 1991**
- (C) 1992

BiharBoardBooks.Com

- (D) 2001

Q21. प्रभावी नियोजन के आधार है :-

- (A) लोच
- (B) व्यावहारिकता
- (C) भविष्यता
- **(D) इनमें से सभी**

Q22. नियोजन, प्रबंध का चरण है :-

- **(A) प्रथम**
- (B) मध्यम
- (C) अंतिम
- (D) वैकल्पिक

Q23. "नियोजन भविष्य को पकड़ने के लिए बनाया गया एक जाल है।" यह कथन किसका है ?

- (A) न्यूमैन
- (B) हर्ले
- **(C) ऐलन**
- (D) टेरी

Q24. एक अच्छी योजना होती है :

- (A) खर्चीली
- (B) समय लेने वाली
- **(C) लोचदार**
- (D) कठोर

BiharBoardBooks.Com

Q25. नियोजन सभी प्रबंधकीय क्रियाओं का है :-

- (A) प्रारम्भ
- (B) अन्त
- **(C) प्रारम्भ तथा अन्त दोनों**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q26. जॉर्ज आर. टेरी के अनुसार नियोजन के प्रकार हैं :-

- (A) 8
- (B) 6
- **(C) 4**
- (D) 2

Q27. केन्द्रीयकरण का तात्पर्य है :-

- **(A) निर्णय लेने में अधिकारों को सुरक्षित रखना**
- (B) निर्णय लेने के अधिकारों का बिखराव करना
- (C) प्रभागों का लाभ केन्द्र बनाना
- (D) नये केन्द्रों अथवा शाखाओं को खोलना

Q28. प्रभावी भारार्पण के लिए आवश्यक है :

- (A) सम्पर्क की सुविधा
- (B) सहयोग तथा समन्वय का वातावरण
- (C) अधिकारों का स्पष्टीकरण
- **(D) उपर्युक्त सभी**

Q29. प्रभावशाली अधिकार हस्तान्तरण के लिए उत्तरदायित्व के साथ किसका होना अति आवश्यक है ?

BiharBoardBooks.Com

- **(A) अधिकार**
- (B) मानव-शक्ति
- (C) प्रोत्साहन
- (D) प्रोन्नति

Q30. बड़े आकार वाले उपक्रम में भारार्पण होता है :-

- (A) ऐच्छिक
- (B) अनावश्यक
- **(C) अनिवार्य**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q31. अधिकार का भारार्पण नहीं किया जा सकता है :-

- (A) दैनिक कार्य का
- **(B) आवश्यक कार्य का (गोपनीय/महत्वपूर्ण कार्य)**
- (C) साधारण कार्य का
- (D) सरल कार्य का

Q32. उत्तरदायित्व होता है :

- (A) अधिनस्थ का
- (B) अधिकारी का
- **(C) अधिनस्थ एवं अधिकारी दोनों का**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q33. निम्नलिखित में से कौन सा भर्ती का एक बाहरी स्रोत है ?

- (A) स्थानान्तरण
- (B) पदोन्नति

BiharBoardBooks.Com

- **(C) रोजगार कार्यालय**
- (D) सेवा विस्तार

Q34. निम्नलिखित में से कौन सा प्रशिक्षण का महत्व नहीं है ?

- (A) उत्पादन में वृद्धि
- (B) संसाधनों का सही उपयोग
- **(C) दुर्घटनाओं में वृद्धि**
- (D) श्रम समस्याओं में कमी

Q35. संस्था के जीवन में भर्ती होती है :-

- (A) एक बार
- (B) दो बार
- (C) कभी-कभी
- **(D) निरन्तर**

Q36. नियुक्तिकरण का संबंध है :

- **(A) मनुष्य से**
- (B) माल से
- (C) उपकरणों से
- (D) मशीनों से

Q37. कौन सी परीक्षा एक व्यक्ति द्वारा नए कौशल सीखने की क्षमता का मापन है ?

- (A) व्यक्तित्व
- (B) योग्यता
- (C) बुद्धि

BiharBoardBooks.Com

- **(D) अभिरुची (Aptitude)**

Q38. कर्मचारियों का प्रशिक्षण है :-

- **(A) आवश्यक**
- (B) अनावश्यक
- (C) अनिवार्य
- (D) धन की बर्बादी

Q39. सम्प्रेषण होना चाहिए :

- **(A) सरल**
- (B) कठिन
- (C) उचित
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q40. पर्यवेक्षण है :-

- **(A) आवश्यक**
- (B) अनावश्यक
- (C) समय की बर्बादी
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q41. निर्देशन प्रबन्ध के किस स्तर पर आवश्यकता होती है ?

- (A) उच्च
- (B) मध्यम
- (C) निम्न
- **(D) सभी स्तर**

Q42. निर्देशन के तत्व हैं :-

BiharBoardBooks.Com

- (A) पर्यवेक्षण
- (B) अभिप्रेरण
- (C) नेतृत्व
- **(D) ये सभी**

Q43. निर्देशन प्रबन्ध का पहलू नहीं है :

- (A) व्यावहारिक
- **(B) सैद्धान्तिक**
- (C) अन्तर-व्यक्तिगत
- (D) सकारात्मक

Q44. नेता अधीनस्थों से काम लेता है :

- **(A) चातुर्य से**
- (B) डण्डे से
- (C) धमकाकर
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q45. समतल सन्देशवाहन में सुझाव का प्रवाह होता है :-

- (A) उपर की ओर
- (B) नीचे की ओर
- **(C) समतल स्तर पर**
- (D) इनमें से सभी

Q46. नियन्त्रण किससे सम्बधित है ?

- **(A) परिणामों से**
- (B) व्यक्तियों से

BiharBoardBooks.Com

- (C) वस्तुओं से
- (D) प्रबंधकों से

Q47. निम्नलिखित में से कौन सी नियंत्रण तकनीक नहीं है ?

- (A) सम विच्छेद विश्लेषण
- **(B) नकदी प्रवाह विवरण**
- (C) बजट
- (D) प्रबंधकीय अंकेक्षण

Q48. नियन्त्रण का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

- (A) भिन्नता
- (B) विचलन
- **(C) सुधार**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q49. नियन्त्रण क्रिया क्या है ?

- **(A) महँगी**
- (B) सस्ती
- (C) अनार्थिक
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q50. नियंत्रण प्रबन्ध का पहलू है :

- (A) सैद्धान्तिक
- **(B) व्यावहारिक**
- (C) मानसिक
- (D) भौतिक

BiharBoardBooks.Com

Q51. एक संगठन का नियंत्रण करना कार्य है :

- (A) आगे देखना
- (B) पीछे देखना
- **(C) आगे एवं पीछे देखना**
- (D) इनमें से सभी

Q52. वित्तीय उत्तोलन अनुकूल कहलाता है जब :

- (A) ऋणों की लागत से निवेश पर आय कम होती है।
- **(B) निवेश पर आय, ऋणों की लागत से ऊँची है।**
- (C) ऋण आसानी से उपलब्ध है।
- (D) विद्यमान वित्तीय उत्तोलन की मात्रा कम है।

Q53. यदि अन्य बातें समान रहे तो कर की दर में निगमित लाभ पर वृद्धि होगी :

- **(A) ऋण अपेक्षाकृत सस्ते होगें**
- (B) ऋण अपेक्षाकृत कम सस्ते होगें
- (C) ऋणों की लागत पर कोई प्रभाव नहीं होगा
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q54. पितृसुलभ उच्च विकसित कम्पनियाँ पसन्द करती है :

- **(A) कम लाभांश देना**
- (B) अधिक लाभांश देना
- (C) लाभांश पर विकास का कोई प्रभाव नहीं होता है
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q55. निम्न में कौन स्थायी पूँजी का स्रोत नहीं है ?

- (A) ऋणपत्रों का निर्गमन

BiharBoardBooks.Com

- (B) अंशों का निर्गमन
- **(C) ऋणदाता**
- (D) भारतीय औद्योगिक वित्त निगम से ऋण

Q56. वित्तीय प्रबंध की आधुनिक विचारधारा है :-

- (A) कोषों को प्राप्त करना
- (B) कोषों का उपयोग करना
- **(C) (A) एवं (B) दोनों**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q57. वित्तीय प्रबंध के मुख्य कार्य हैं :-

- (A) वित्तीय नियोजन
- (B) कोषों को प्राप्त करना
- (C) शुद्ध लाभ का आवंटन
- **(D) इनमें से सभी**

Q58. सेंसेक्स कितने कम्पनियों पर आधारित है ?

- **(A) 30**
- (B) 50
- (C) 75
- (D) 100

Q59. वित्त व्यवस्था निर्णय किससे संबंधित है ?

- **(A) पूँजी ढाँचा**
- (B) वित्तीय ढाँचा
- (C) पूँजीकरण

BiharBoardBooks.Com

- (D) वित्तीय नियोजन

Q60. निम्न में से किसे चालू सम्पत्तियों में शामिल नहीं किया जाता ?

- (A) नकद राशि
- (B) स्कन्ध
- (C) देनदार
- **(D) फर्नीचर**

Q61. वित्तीय प्रबंधन का प्राथमिक उद्देश्य है:-

- (A) शेयरधारक की सम्पत्ति को बढ़ाना
- **(B) धन अधिकतमीकरण**
- (C) समता अंश के बाजार मूल्य का अधिकतमीकरण
- (D) इनमें से सभी

Q62. भारत में स्कंध विपणियों की संख्या कितनी है ?

- (A) 20
- (B) 21
- **(C) 23**
- (D) इनमे से कोई नहीं

(नोट: ऐतिहासिक रूप से पाठ्यपुस्तकों में 23 उत्तर मान्य होता है, यद्यपि वर्तमान वास्तविक संख्या भिन्न हो सकती है।)

Q63. मुद्रा बाजार व्यवहार करता है :-

- **(A) अल्पकालीन कोष**
- (B) मध्यकालीन कोष
- (C) दीर्घकालीन कोष

BiharBoardBooks.Com

- (D) इनमें से कोई नहीं

Q64. पूँजी बाजार व्यवहार करता है :-

- (A) अल्पकालीन कोष
- (B) मध्यकालीन कोष
- **(C) दीर्घकालीन कोष**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q65. तरलता का निर्माण करता है :-

- (A) संगठित बाजार
- (B) असंगठित बाजार
- (C) प्राथमिक बाजार
- **(D) गौण बाजार (Secondary Market)**

Q66. नवीन निर्गमित अंशों में व्यवहार करता है :-

- (A) गौण बाजार
- **(B) प्राथमिक बाजार**
- (C) गौण बाजार तथा प्राथमिक बाजार
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q67. सेबी का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है :

- (A) दिल्ली
- (B) कोलकाता
- (C) चेन्नई
- **(D) ये तीनों जगह**

Q68. स्कन्ध विपणि हित की सुरक्षा करती है :

BiharBoardBooks.Com

- **(A) निवेशक**
- (B) कम्पनी
- (C) सरकार
- (D) किसी का नहीं

Q69. प्राथमिक एवं द्वितीयक बाजार करते हैं :

- (A) एक दुसरे से प्रतिस्पर्धा
- **(B) एक दुसरे का सहयोग (पूरक हैं)**
- (C) स्वतंत्र कार्य
- (D) एक दुसरे का नियंत्रण

Q70. सेबी का मुख्य कार्यालय कहाँ है ?

- (A) दिल्ली
- **(B) मुम्बई**
- (C) कोलकाता
- (D) चेन्नई

Q71. विश्व में सबसे पहले स्कन्ध विपणि की स्थापना कहाँ हुई थी ?

- (A) दिल्ली
- **(B) नीदरलैंड (एम्सटर्डम)**
- (C) अमेरिका
- (D) जापान

Q72. पैकेज वाली उपभोग्य उत्पादों पर लेवलिंग अनिवार्य है :-

- (A) कुछ पर
- **(B) सभी पर**

BiharBoardBooks.Com

- (C) (A) एवं (B) दोनों पर
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q73. विपणन मिश्रण का तत्व जो राजस्व और मुनाफा को प्रभावित करता है :

- (A) उत्पाद
- (B) जगह
- **(C) मूल्य**
- (D) पदोन्नति

Q74. निम्नलिखित में से कौन एक विपणन मिश्रण नहीं है ?

- (A) उत्पाद
- (B) भौतिक वितरण
- (C) उत्पाद मूल्य निर्धारण
- **(D) उत्पादन प्रक्रिया**

Q75. निम्न में से टिकाऊ उत्पाद का उदाहरण कौन नहीं है ?

- (A) फर्नीचर
- (B) मशीन
- **(C) नमक**
- (D) भवन

Q76. निम्न में कौन उत्पाद की सुरक्षा एवं प्रचार की सहायता करता है ?

- (A) ग्रेडिंग
- (B) लेबलिंग
- **(C) पैकेजिंग**
- (D) ब्रांडिंग

BiharBoardBooks.Com

Q77. सबसे अधिक व्यापक क्षेत्र है :

- (A) ब्रांड
- (B) लेबलिंग
- **(C) पैकेजिंग**
- (D) व्यापार मार्क

Q78. निम्न में कौन अच्छे ब्राण्ड की विशेषतायें हैं ?

- (A) छोटा नाम
- (B) स्मरणीय
- (C) आकर्षक
- **(D) इनमें से सभी**

Q79. विपणन अवधारणा का महत्व है :

- (A) समाज के लिए
- (B) उपभोक्ताओं के लिए
- (C) उत्पादक के लिए
- **(D) इन तीनों के लिए**

Q80. लेबलिंग क्या है ?

- (A) अनिवार्य
- **(B) आवश्यक**
- (C) ऐच्छिक
- (D) धन की बर्बादी

Q81. इनमें कौन उत्पाद मिश्र को प्रभावित करने वाले घटक हैं ?

- (A) विपणन

BiharBoardBooks.Com

- (B) उत्पाद
- (C) वित्तीय
- **(D) इनमें से सभी**

Q82. निम्न में से विपणन का कार्य कौन सा है ?

- (A) संवर्द्धन
- (B) भौतिक वितरण
- (C) परिवहन
- **(D) इनमें से सभी**

Q83. निम्न में से सेविंग क्रीम ट्यूब किसका उदाहरण है ?

- **(A) प्राथमिक पैकेजिंग**
- (B) द्वितीयक पैकेजिंग
- (C) परिवहन पैकेजिंग
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q84. निम्न में से कौन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत विवाद निवारण एजेंसियाँ हैं ?

- (A) राष्ट्रीय कमीशन
- (B) राज्य कमीशन
- (C) जिला फोरम
- **(D) इनमें से सभी**

Q85. उपभोक्ता अधिकार दिवस कब मनाया जाता है ?

- **(A) 15 मार्च**
- (B) 15 अप्रैल

BiharBoardBooks.Com

- (C) 15 जुलाई
- (D) 15 जनवरी

Q86. उपभोक्ता के दायित्व क्या हैं ?

- (A) क्रय में जल्दबाजी न करें
- (B) झूठे एवं भ्रामक विज्ञापन से बचें
- (C) अधिकारों के प्रति सजगता
- **(D) उपरोक्त सभी**

Q87. राष्ट्रीय आयोग उपभोक्ता विवादों का निपटारा कितने तक कर सकता है ?

- (A) ₹5 लाख तक
- (B) ₹10 लाख तक
- (C) ₹15 लाख तक
- **(D) ₹10 करोड़ से अधिक (2019 अधिनियम के अनुसार)**

Q88. भारत में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम कब पारित हुआ था ?

- (A) 1786
- (B) 1886
- **(C) 1986**
- (D) 1996

Q89. राष्ट्रीय आयोग के सदस्य की अधिकतम आयु क्या हो सकती है ?

- (A) 60 वर्ष
- (B) 65 वर्ष
- **(C) 70 वर्ष**
- (D) इनमें से कोई नहीं

BiharBoardBooks.com

Q90. उद्यमिता किसके द्वारा आश्वस्त होती है ?

- (A) सहायक
- (B) वृहदाकार फर्म
- (C) मध्यम फर्म
- **(D) लघु फर्म**

Q91. भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान कहाँ स्थित हैं ?

- **(A) अहमदाबाद**
- (B) मुम्बई
- (C) नई दिल्ली
- (D) चेन्नई

Q92. उद्यमिता विकास कार्यक्रम क्या प्रदान करता है ?

- (A) बेरोजगारी
- **(B) रोजगार**
- (C) बेईमानी
- (D) भ्रष्टाचार

Q93. उद्यमिता विकास कार्यक्रम के आलोचनात्मक मूल्यांकन बिन्दु हैं :

- (A) संगठनात्मक नीतियाँ
- (B) उपयुक्त चयन प्रक्रिया का अभाव
- (C) निम्न श्रेणी की तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण
- **(D) उपर्युक्त सभी**

Q94. एक उद्यमी कहा जाता है :

- (A) आर्थिक विकास का प्रवर्त्तक

BiharBoardBooks.Com

- (B) आर्थिक विकास का प्रेरक
- **(C) (A) एंव (B) दोनों**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q95. निम्न में से कौन सी उद्यमिता की विशेषता नहीं है ?

- (A) जोखिम वहन
- (B) नव प्रर्वतन
- (C) सृजनात्मक क्रिया
- **(D) प्रबन्धकीय प्रशिक्षण**

Q96. निम्न में से कौन उद्यमिता लक्षण से संबंधित है ?

- (A) कार्य सृजक व्यवहार
- (B) लाभ सृजन व्यवहार
- **(C) जोखिम वहन व्यवहार**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q97. निम्न में से प्रबंध का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

- (A) लक्ष्य निर्धारित करना
- (B) अधिकतम उत्पादन
- **(C) न्यूनतम लागत में अधिकतम उत्पादन**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q98. निम्न में से कौन प्रबंध के सिद्धान्त नहीं हैं ?

- (A) सार्वभौमिक
- (B) लोचपूर्ण
- **(C) सम्पूर्ण**

BiharBoardBooks.Com

- (D) व्यावहारिक

Q99. प्रशासनिक प्रबंध के प्रस्तुतकर्त्ता कौन थे ?

- **(A) फेयोल**
- (B) टेलर
- (C) टेरी
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q100. टेलर किस वर्ष में श्रमिक से इंजीनियर बने ?

- (A) 1878
- **(B) 1884**
- (C) 1901
- (D) 1903

खण्ड ब / SECTION-B (गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Descriptive Questions)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

Q1. अपवाद द्वारा प्रबंध से आप क्या समझते हैं ?

अपवाद द्वारा प्रबंध (Management by Exception) एक प्रबंधकीय सिद्धांत है जिसके अनुसार उच्च प्रबंधन को केवल उन्हीं महत्वपूर्ण विचलन (deviations) या मामलों पर ध्यान देना चाहिए जो निर्धारित मानकों से बहुत अधिक भिन्न हैं। नियमित और सामान्य कार्यों को अधीनस्थों पर छोड़ दिया जाना चाहिए ताकि प्रबंधक महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

Q2. वैश्वीकरण क्या है?

वैश्वीकरण (Globalisation) का अर्थ है देश की अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण। इसके अंतर्गत वस्तुओं, सेवाओं, पूंजी, और श्रम का

BiharBoardBooks.Com

विभिन्न देशों के बीच मुक्त प्रवाह होता है, जिससे पूरी दुनिया एक बाजार बन जाती है।

Q3. आर्थिक नीतियों के दो प्रमुख उद्देश्यों को लिखें। आर्थिक नीतियों के दो प्रमुख उद्देश्य हैं:

1. **आर्थिक विकास की दर को तेज करना:** देश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करना।
2. **आत्मनिर्भरता प्राप्त करना:** देश को आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में सक्षम बनाना ताकि आयात पर निर्भरता कम हो।

Q4. वैज्ञानिक प्रबंध में टेलर का क्या योगदान है ?

एफ.डब्ल्यू. टेलर को वैज्ञानिक प्रबंध का जनक माना जाता है। उन्होंने "अंगूठा नियम" (Rule of Thumb) के स्थान पर वैज्ञानिक तरीकों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कार्य के मानकीकरण, कार्य-विभाजन, और समय एवं गति अध्ययन जैसे सिद्धांतों को विकसित किया जिससे उत्पादकता बढ़ाई जा सके।

Q5. नियंत्रण की किन्हीं दो सीमाओं को स्पष्ट कीजिए। नियंत्रण की दो सीमाएँ हैं:

1. **बाहरी घटकों पर कम नियंत्रण:** प्रबंध का आंतरिक कारकों पर तो नियंत्रण होता है, लेकिन सरकारी नीतियों, तकनीकी परिवर्तन आदि जैसे बाहरी कारकों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं होता।
2. **महंगी प्रक्रिया:** नियंत्रण प्रणाली को लागू करना समय और धन दोनों के लिहाज से खर्चीला हो सकता है, विशेषकर छोटे व्यवसायों के लिए।

Q6. प्रशिक्षण के दो लाभ बतायें। प्रशिक्षण के दो लाभ हैं:

1. **उत्पादकता में वृद्धि:** प्रशिक्षित कर्मचारी कार्य को बेहतर और कम समय में करते हैं, जिससे उत्पादन की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ती है।
2. **दुर्घटनाओं में कमी:** मशीनों और उपकरणों को सही ढंग से चलाने की जानकारी होने से कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है।

Q7. अस्थायी अलगाव (Lay-off) से क्या समझते हैं ?

BiharBoardBooks.Com

अस्थायी अलगाव या कामबंदी (Lay-off) का अर्थ है नियोक्ता द्वारा कर्मचारियों को काम देने में असमर्थ होना, जो आमतौर पर कच्चे माल की कमी, मशीन की खराबी या मंदी के कारण होता है। इसमें कर्मचारी का रोजगार समाप्त नहीं होता, बल्कि उसे कुछ समय के लिए काम से हटा दिया जाता है और बाद में वापस बुला लिया जाता है।

Q8. कार्य पर प्रशिक्षण (On-the-job training) से क्या आशय है ?

कार्य पर प्रशिक्षण वह विधि है जिसमें कर्मचारी को काम करते हुए ही सिखाया जाता है। इसका मूल मंत्र है "करके सीखना"। इसमें प्रशिक्षु एक अनुभवी कर्मचारी या पर्यवेक्षक की देखरेख में वास्तविक कार्य वातावरण में काम सीखता है।

Q9. प्रभावी सम्प्रेषण में सांकेतिक बाधायें (Semantic Barriers) क्या हैं ?

सांकेतिक बाधाओं का संबंध भाषा और शब्दों के अर्थ से है। जब संदेश भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के बीच शब्दों, चिन्हों या वाक्यों के अर्थ को लेकर भ्रम होता है, तो इसे सांकेतिक बाधा कहते हैं। उदाहरण के लिए, एक ही शब्द के अलग-अलग अर्थ निकलना या तकनीकी शब्दावली का प्रयोग।

Q10. अभिप्रेरणा को परिभाषित कीजिए।

अभिप्रेरणा (Motivation) वह प्रक्रिया है जो लोगों को वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित करती है। यह एक मनोवैज्ञानिक शक्ति है जो कर्मचारियों के अंदर काम करने की इच्छा और उत्साह जगाती है।

Q11. एक पर्यवेक्षक किस प्रकार प्रबन्ध तथा कार्योत्पादक कर्मचारियों के मध्य कड़ी के रूप में कार्य करता है ?

पर्यवेक्षक (Supervisor) प्रबंधन की नीतियों और निर्देशों को श्रमिकों तक पहुँचाता है और श्रमिकों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को प्रबंधन तक पहुँचाता है। इस प्रकार, वह दोनों के बीच संचार की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है, जिससे संगठन में तालमेल बना रहता है।

Q12. नियंत्रण से आप क्या समझते हैं ?

BiharBoardBooks.com

नियंत्रण (Controlling) प्रबंध का वह कार्य है जिसमें वास्तविक निष्पादन की तुलना निर्धारित मानकों (Standards) से की जाती है, विचलनों (Deviations) का पता लगाया जाता है और यदि कोई कमी हो, तो उसे सुधारने के लिए सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है ताकि लक्ष्य प्राप्त किए जा सकें।

Q13. कार्यशील पूँजी को प्रभावित करने वाले दो घटकों को बतायें।

1. **व्यवसाय की प्रकृति:** निर्माण और उत्पादन करने वाली कंपनियों को सेवा क्षेत्र की तुलना में अधिक कार्यशील पूंजी की आवश्यकता होती है।
2. **उत्पादन चक्र:** उत्पादन प्रक्रिया जितनी लंबी होगी, कच्चे माल को तैयार माल में बदलने में उतना अधिक समय लगेगा, जिससे कार्यशील पूंजी की आवश्यकता अधिक होगी।

Q14. पूँजी मिलान (Capital Gearing) क्या है ?

पूँजी मिलान (Capital Gearing) का अर्थ कंपनी की कुल पूँजी में स्थिर लागत वाली पूँजी (जैसे ऋणपत्र, पूर्वाधिकार अंश) और परिवर्तनशील लागत वाली पूँजी (जैसे समता अंश) के अनुपात से है। यदि स्थिर लागत वाली पूँजी का अनुपात अधिक है, तो इसे 'उच्च गियरिंग' कहा जाता है।

Q15. चालू सम्पत्तियों के उदाहरण लिखिए।

चालू सम्पत्तियों (Current Assets) के प्रमुख उदाहरण हैं: नकद (Cash), बैंक शेष (Bank Balance), देनदार (Debtors), स्कंध (Stock/Inventory), और प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)।

Q16. पूँजी बाजार के दो अंग कौन से हैं ?

पूँजी बाजार (Capital Market) के दो मुख्य अंग हैं:

1. **प्राथमिक बाजार (Primary Market):** जहाँ नई प्रतिभूतियाँ पहली बार जारी की जाती हैं।
2. **गौण या द्वितीयक बाजार (Secondary Market):** जहाँ पहले से जारी प्रतिभूतियों (जैसे शेयर बाजार) की खरीद-फरोख्त होती है।

BiharBoardBooks.com

Q17. NSEI को मॉडल एक्सचेंज क्यों कहा जाता है ?

NSEI (National Stock Exchange of India) को मॉडल एक्सचेंज इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसने भारत में पहली बार पूरी तरह से आधुनिक, कंप्यूटरीकृत और स्क्रीन-आधारित ट्रेडिंग प्रणाली की शुरुआत की। इसने पारदर्शिता और दक्षता के नए मानक स्थापित किए हैं।

Q18. शेयर बाजार का क्या कार्य है ?

शेयर बाजार (Stock Exchange) प्रतिभूतियों को तरलता (Liquidity) प्रदान करता है, उनके मूल्य निर्धारण में मदद करता है, निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करता है और आर्थिक विकास में योगदान देता है। यह बचत को उत्पादक निवेशों की ओर मोड़ता है।

Q19. "विज्ञापन सामाजिक बर्बादी है" कैसे ?

कुछ आलोचकों का मानना है कि विज्ञापन सामाजिक बर्बादी है क्योंकि इससे वस्तुओं की लागत बढ़ जाती है, यह अनावश्यक उपभोग को बढ़ावा देता है (फिजूलखर्ची), और कई बार भ्रामक दावों से ग्राहकों को धोखा देता है। यह संसाधनों का अपव्यय माना जा सकता है यदि यह केवल ब्रांड बदलने के लिए हो न कि नई जानकारी देने के लिए।

Q20. विपणन और विक्रय में अन्तर बतायें।

विक्रय (Selling) का मुख्य उद्देश्य केवल माल बेचकर लाभ कमाना है और यह उत्पाद तैयार होने के बाद शुरू होता है। जबकि विपणन (Marketing) एक व्यापक प्रक्रिया है जो ग्राहक की आवश्यकताओं को पहचानने से शुरू होती है और बिक्री के बाद की सेवाओं तक जारी रहती है, जिसका उद्देश्य ग्राहक संतुष्टि के माध्यम से लाभ कमाना है।

Q21. लोक अदालत क्या है ?

लोक अदालत एक ऐसा मंच है जहाँ विवादों को आपसी समझौते और बातचीत के माध्यम से सुलझाया जाता है। यह कम खर्चीला और त्वरित न्याय देने का एक

BiharBoardBooks.com

वैकल्पिक साधन है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत भी इसका उपयोग विवाद निवारण के लिए किया जा सकता है।

Q22. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार तीन स्तरीय तत्व क्या है ?

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत विवाद निवारण के लिए तीन स्तरीय तंत्र स्थापित किए गए हैं:

1. **जिला आयोग (District Commission):** जिला स्तर पर।
2. **राज्य आयोग (State Commission):** राज्य स्तर पर।
3. **राष्ट्रीय आयोग (National Commission):** राष्ट्रीय स्तर पर।

Q23. "उद्यमी सामान्य जोखिम उठाते हैं।" विवेचना करें।

हाँ, उद्यमी जोखिम उठाते हैं, लेकिन वे जुआरी नहीं होते। वे "परिकलित जोखिम" (Calculated Risk) उठाते हैं। वे अनिश्चितताओं का आकलन करते हैं, बाजार का अध्ययन करते हैं और अपनी योजनाओं के माध्यम से जोखिम को कम करने का प्रयास करते हैं। वे केवल वही जोखिम उठाते हैं जो उनके नियंत्रण और क्षमता के भीतर हों।

Q24. एक पेशे के रूप में प्रबंध की मूल विशेषताओं का वर्णन करें।

पेशे के रूप में प्रबंध की विशेषताएँ हैं:

- **(1) विशिष्ट ज्ञान का समूह:** प्रबंध का अपना व्यवस्थित ज्ञान और सिद्धांत हैं।
- (2) **औपचारिक शिक्षा:** प्रबंध की शिक्षा देने वाले संस्थान हैं।
- (3) **आचार संहिता:** पेशेवर संगठनों (जैसे AIMA) की आचार संहिता होती है, हालाँकि प्रबंध में यह अभी पूरी तरह अनिवार्य नहीं है।

Q25. समन्वय के कोई दो तत्व बतायें।

समन्वय (Co-ordination) के दो तत्व हैं:

BiharBoardBooks.com

1. **एकीकरण (Integration):** विभिन्न विभागों और कर्मचारियों के प्रयासों को एक दिशा में जोड़ना।
2. **कार्य में एकरूपता (Unity of Action):** यह सुनिश्चित करना कि सभी कार्य संगठन के मुख्य उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए एक साथ मिलजुल कर किए जा रहे हैं।

Q26. "आदेश की एकता" से आप क्या समझते हैं ?

आदेश की एकता (Unity of Command) हेनरी फेयोल का एक सिद्धांत है। इसके अनुसार, एक कर्मचारी को एक समय में केवल एक ही अधिकारी से आदेश मिलना चाहिए। यदि उसे एक से अधिक अधिकारियों से आदेश मिलेंगे, तो वह भ्रमित होगा और अनुशासन बनाए रखना कठिन होगा।

Q27. "नियोजन एक मानसिक प्रक्रिया है" संक्षेप में वर्णन करें।

नियोजन को मानसिक प्रक्रिया (Mental Process) इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें "करने" से पहले "सोचना" शामिल है। इसमें बुद्धिमत्ता, कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता की आवश्यकता होती है। प्रबंधक को विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण कर सर्वोत्तम रास्ता चुनना होता है, जो एक बौद्धिक कार्य है।

Q28. क्या केवल नियोजन व्यवसाय में सफलता सुनिश्चित करता है ?

नहीं, केवल नियोजन सफलता की गारंटी नहीं है। योजना कितनी भी अच्छी क्यों न हो, यदि उसका **क्रियान्वयन (Implementation)** सही ढंग से नहीं किया गया, तो वह विफल हो सकती है। इसके अलावा, गतिशील वातावरण में पुरानी योजनाएँ बेकार हो सकती हैं। अतः नियोजन के साथ-साथ प्रभावी कार्यवाही भी आवश्यक है।

Q29. अन्तरण के तत्वों की विवेचना करें।

अन्तरण (Delegation) के तीन मुख्य तत्व हैं:

1. **अधिकार (Authority):** निर्णय लेने की शक्ति देना।
2. **उत्तरदायित्व (Responsibility):** सौंपे गए कार्य को पूरा करने का बंधन।

BiharBoardBooks.com

3. **जवाबदेही (Accountability):** अंतिम परिणाम के लिए उत्तरदायी होना (जिसे हस्तांतरित नहीं किया जा सकता)।

Q30. अधिकार भारार्पण एवं विकेन्द्रीकरण में अन्तर कीजिए।

अधिकार भारार्पण (Delegation) एक व्यक्ति द्वारा दूसरे को कार्य सौंपना है और यह हर संगठन में अनिवार्य है। विकेन्द्रीकरण (Decentralisation) पूरे संगठन में व्यवस्थित रूप से अधिकारों का फैलाव है। भारार्पण एक संकीर्ण प्रक्रिया है (दो व्यक्तियों के बीच), जबकि विकेन्द्रीकरण एक व्यापक नीतिगत निर्णय है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

Q31. संगठन क्या है ? इसके लाभों का वर्णन करें।

संगठन (Organisation): संगठन प्रबंध का वह कार्य है जिसके अंतर्गत उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कार्यों की पहचान और समूहीकरण किया जाता है, कर्तव्यों को परिभाषित किया जाता है और अधिकारों एवं उत्तरदायित्वों के संबंध स्थापित किए जाते हैं। यह संसाधनों (मानव, भौतिक, वित्तीय) के बीच तालमेल बिठाता है।

संगठन के लाभ:

1. **विशिष्टीकरण के लाभ:** कार्य को छोटे भागों में बांटने से कर्मचारी उसमें निपुण हो जाते हैं।
2. **कार्य संबंधों में स्पष्टता:** यह स्पष्ट करता है कि कौन किसको रिपोर्ट करेगा।
3. **संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग:** संसाधनों की बर्बादी और दोहराव (duplication) से बचाता है।
4. **प्रभावी प्रशासन:** स्पष्ट अधिकारों और कर्तव्यों से प्रबंधन आसान हो जाता है।
5. **विकास एवं विस्तार:** एक अच्छा ढांचा संगठन को नई चुनौतियों का सामना करने और बढ़ने में मदद करता है।

Q32. नियुक्तिकरण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को बतायें।

नियुक्तिकरण (Staffing) प्रक्रिया के प्रमुख चरण निम्नलिखित हैं:

BiharBoardBooks.Com

1. **मानव शक्ति नियोजन (Manpower Planning):** सबसे पहले यह अनुमान लगाना कि कितने और किस प्रकार के कर्मचारियों की आवश्यकता है।
2. **भर्ती (Recruitment):** संभावित उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी खोज करना।
3. **चयन (Selection):** आवेदकों में से सबसे योग्य व्यक्ति को चुनना (परीक्षा, साक्षात्कार आदि के माध्यम से)।
4. **अनुस्थापन तथा अभिविन्यास (Placement and Orientation):** चुने गए व्यक्ति को सही पद पर रखना और उसे संगठन के नियमों व साथियों से परिचित कराना।
5. **प्रशिक्षण तथा विकास (Training and Development):** कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रशिक्षित करना।
6. **निष्पादन मूल्यांकन (Performance Appraisal):** उनके कार्य की समीक्षा करना।

Q33. निर्देशन से आप क्या समझते हैं ? इसके सिद्धान्तों का वर्णन करें।

निर्देशन (Directing): निर्देशन का अर्थ है कर्मचारियों को नेतृत्व प्रदान करना, उन्हें प्रेरित करना, उनका पर्यवेक्षण करना और उनके साथ संवाद करना ताकि वे संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। यह "प्रबंध का हृदय" कहलाता है क्योंकि यह योजनाओं को कार्यरूप में परिणत करता है। **निर्देशन के सिद्धान्त:**

1. **अधिकतम व्यक्तिगत योगदान:** ऐसी तकनीकें अपनाना जिससे हर कर्मचारी अपनी अधिकतम क्षमता से योगदान दे सके।
2. **उद्देश्यों में सामंजस्य:** व्यक्तिगत उद्देश्यों और संगठनात्मक उद्देश्यों के बीच तालमेल बिठाना।
3. **आदेश की एकता:** कर्मचारी को एक ही अधिकारी से निर्देश मिलने चाहिए।
4. **निर्देशन तकनीकों की उपयुक्तता:** आवश्यकतानुसार अभिप्रेरणा और नेतृत्व की सही शैली का चयन करना।

BiharBoardBooks.Com

5. **प्रभावी सम्प्रेषण:** निर्देशों का स्पष्ट और सही समझ के साथ आदान-प्रदान होना चाहिए।

Q34. नियोजन क्या है ? नियोजन एवं नियन्त्रण में संबंध समझाइए।

नियोजन (Planning): नियोजन का अर्थ है वर्तमान में यह तय करना कि भविष्य में क्या करना है, कैसे करना है, कब करना है और किसके द्वारा करना है। **नियोजन एवं नियन्त्रण में संबंध:**

1. **परस्पर निर्भरता:** नियोजन के बिना नियंत्रण का कोई आधार नहीं होता (क्योंकि मानक नियोजन ही तय करता है), और नियंत्रण के बिना नियोजन अधूरा है (क्योंकि यह पता नहीं चलता कि योजना सफल हुई या नहीं)।
2. **आगे और पीछे देखना:** नियोजन भविष्य की ओर देखता है (आगे देखना), जबकि नियंत्रण अतीत के कार्यों का मूल्यांकन करता है (पीछे देखना)।
3. **पूरक:** दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। नियोजन मार्ग तय करता है और नियंत्रण उस मार्ग पर बने रहने में मदद करता है।

Q35. "प्रबन्ध के सभी स्तरों पर समन्वय की आवश्यकता होती है।" विवेचना कीजिए।

समन्वय (Co-ordination) प्रबंध का सार है और यह किसी एक स्तर का कार्य नहीं है, बल्कि हर स्तर पर आवश्यक है:

1. **उच्च स्तर:** संगठन की समग्र नीतियों और योजनाओं को एकीकृत करने के लिए समन्वय आवश्यक है ताकि पूरा संगठन एक दिशा में चले।
2. **मध्यम स्तर:** विभिन्न विभागों (जैसे उत्पादन, विपणन, वित्त) के बीच तालमेल बिठाने के लिए समन्वय चाहिए। उदाहरण के लिए, विपणन विभाग उतना ही ऑर्डर ले जितना उत्पादन विभाग बना सके।
3. **निम्न स्तर:** पर्यवेक्षकों को श्रमिकों के कार्यों में समन्वय करना होता है ताकि कार्य सुचारू रूप से हो, संसाधनों की बर्बादी न हो और समय पर लक्ष्य पूरा

BiharBoardBooks.com

हो सके। अत:, समन्वय संगठन रूपी धागे में पिरोए गए मोतियों की तरह हर स्तर पर जरूरी है।

Q36. वैज्ञानिक प्रबंध की तकनीकों को समझाइयें।

टेलर द्वारा प्रतिपादित प्रमुख तकनीकें हैं:

1. **कार्यात्मक फोरमैनशिप (Functional Foremanship):** इसमें कार्य को नियोजन और निष्पादन में बांटा जाता है और 8 विशेषज्ञ पर्यवेक्षक (4 नियोजन में, 4 कारखाने में) श्रमिकों का मार्गदर्शन करते हैं।
2. **कार्य का मानकीकरण और सरलीकरण:** कार्यों के लिए मानक तय करना (जैसे मानक समय, मानक माल) और अनावश्यक विविधता को समाप्त करना।
3. **कार्य अध्ययन (Work Study):** इसमें थकान अध्ययन (आराम के अंतराल तय करना), विधि अध्ययन (काम करने का सबसे अच्छा तरीका ढूँढना), समय अध्ययन (मानक समय तय करना) और गति अध्ययन (अनावश्यक हरकतों को हटाना) शामिल हैं।
4. **विभेदात्मक पारिश्रमिक प्रणाली:** कुशल श्रमिकों को ज्यादा और अकुशल को कम दर से मजदूरी देकर प्रोत्साहित करना।

Q37. वितरण के विभिन्न माध्यमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

वितरण के माध्यम (Channels of Distribution) वे रास्ते हैं जिनसे उत्पाद निर्माता से उपभोक्ता तक पहुँचता है:

1. **शून्य स्तरीय (Zero Level):** निर्माता -> उपभोक्ता। (उदाहरण: ऑनलाइन बिक्री)।
2. **एक स्तरीय (One Level):** निर्माता -> फुटकर विक्रेता -> उपभोक्ता। (उदाहरण: ऑटोमोबाइल)।
3. **दो स्तरीय (Two Level):** निर्माता -> थोक विक्रेता -> फुटकर विक्रेता -> उपभोक्ता। (यह सबसे सामान्य माध्यम है, जैसे साबुन, चाय आदि के लिए)।

BiharBoardBooks.com

4. **तीन स्तरीय (Three Level):** निर्माता -> एजेंट -> थोक विक्रेता -> फुटकर विक्रेता -> उपभोक्ता। (जब बाजार बहुत विस्तृत हो)।

Q38. पूँजी संरचना को प्रभावित करने वाले तत्वों का उल्लेख कीजिए।

पूँजी संरचना (Capital Structure) का अर्थ है ऋण और समता (Debt and Equity) का अनुपात। इसे प्रभावित करने वाले तत्व:

1. **रोकड़ प्रवाह स्थिति (Cash Flow Position):** यदि कंपनी का कैश फ्लो मजबूत है, तो वह ऋण ले सकती है क्योंकि वह ब्याज चुकाने में सक्षम होगी।
2. **ब्याज आवरण अनुपात (Interest Coverage Ratio):** आय ब्याज से जितनी गुना अधिक होगी, ऋण लेने की क्षमता उतनी अधिक होगी।
3. **नियंत्रण (Control):** यदि मौजूदा शेयरधारक अपना नियंत्रण कम नहीं करना चाहते, तो वे समता अंश (Equity) के बजाय ऋण (Debt) को प्राथमिकता देंगे।
4. **पूँजी की लागत (Cost of Capital):** कंपनी उस स्रोत को चुनेगी जिसकी लागत कम हो। आमतौर पर ऋण सस्ता होता है।
5. **जोखिम (Risk):** ऋण के साथ वित्तीय जोखिम जुड़ा होता है। यदि व्यावसायिक जोखिम पहले से ज्यादा है, तो कम ऋण लेना चाहिए।

BiharBoardBooks.com

Provided By – BiharBoardBooks.Com

Join Our Telegram Channel - @BiharBoardBooks